पूर्व मध्य रेल

प्रबंधन में रेल कर्मचारियों की भागीदारी

(PARTICIPATION OF RAILWAY EMPLOYEES IN MANAGEMENT – PREM)

वर्ष 2018

प्रेम समूह की प्रथम बैठक

स्थान :

मुख्यालय सभाकक्ष, हाजीपुर

दिनांक : 15 मई 2018

समय : 12.15 बजे

चर्चा का विषय

"महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढ़े"

वर्तमान एजेण्डा पर प्राप्त सुझाव/विचार

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.1	1. सभी विभागों में कार्यरत महिलाओं हेतु उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। 2. महिलाओं का रेलवे वर्किंग में योगदान बढ़ाने हेतु कार्यस्थल पर बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। 3. जहां सामूहिक कार्य होता है, वहां समूह में महिलाओं को दायित्व सौंप कर उनके योगदान को बढ़ावा दिया जा सकता है।	**महासचिव ईसीआरकेयू**

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.1	4. रेलवे बोर्ड के पत्रांक –OM No. 28034/2/27 Estt. । दिनांक 03.04.1996,12.06.1997 एवं 05.11.1997 के अनुसार पति–पत्नी को सुविधनुसार एक अथवा यथासंभव कम दूरी पर पदस्थापित कर महिलाओं के योगदान को बढ़ाया जा सकता है। 5. गार्ड एवं ड्राइवर में कार्यरत महिलाओं को दिन में कम दूरी के रनिंग ड्यूटी में लगाया जा सकता है। 6. रात्रि ड्यूटी करने वाली महिलाओं को बड़े स्टेशनों में 2 दिन की पाली में भी कार्य कराया जा सकता है।	**महासचिव ईसीआरकेयू**

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.2	रेलवे कार्य प्रणाली में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है बशर्ते उन्हें समुचित अवसर मिले। • महिलाओं को सही दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। • महिलाओं के लिए उनके कार्य स्थल पर अलग से शौचालय आदि की व्यवस्था होनी चाहिए, जिसका अभाव देखा जाता है। • सूचना एवं संचार क्रांति में महिलाओं की अहम भूमिका हो सकती है। रेलवे में उन्हें इस क्षेत्र में अवसर मिलना चाहिए।	**महासचिव ओबीसी.एशो.**

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.3	• रे.सु.बल महिला पोस्ट का सृजन होना चाहिए। • महिला बल सदस्यों की ड्यूटी सर्कुलेटिंग एरिया में होनी चाहिए। • प्लेटफार्म पर भी महिला बल सदस्यों की तैनाती प्रत्येक शिफ्ट में होनी चाहिए। • रेल अधिनियम 162 के अंतर्गत कार्रवाई महिला बल सदस्यों के द्वारा की जानी चाहिए। • ट्रेन मार्गरक्षण में भी महिला बोगी में महिला बल सदस्यों की तैनाती होनी चाहिए। • महिला बल सदस्यों के लिए अलग महिला बैरक होना चाहिए। • प्रत्येक पोस्ट पर महिला हाजत होना चाहिए और उन हाजत पर महिला बल सदस्यों के लिए अलग महिला बैरक होना चाहिए।	**कार्यकारी महासचिव आरपीएफ एशो0**

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे "**	
1.4	भारतीय रेलवे में महिलाओं का योगदान दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा हैं। रेलवे कर्मचारियों में महिलाओ की संख्या लगभग 8 प्रतिशत है। महिलाएं अब रेल के हर गतिविधि में शामिल हैं। रेल परिचालन के हर क्षेत्र में इनकी भागीदारी सुनिश्चित हुई है और यह उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। रेलवे वर्किंग में महिलाओं के योगदान को बढ़ाने हेतु निम्नलिखित कदम उठाया जा सकता हैं। •**अनुकूल माहौल बनाकर**:– महिलाओ के संवेदनशीलता को देखते हुए उनके कार्य करने हेतु अनुकूल महौल देना होगा। कार्यस्थलों मे यौन उत्पीड़न की घटनाएं रोकने के लिए शख्त कदम उठाये जाएं तथा समय– समय पर लिंग समानता (Gender equality) पर कार्यशाला आयोजित की जाये।	**प्रमुपरिप्र**

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.4	•**प्रोत्साहनः**– जो महिला अभी वर्तमान मे कार्य कर रही हैं उसे प्रोत्साहित किया जाये। •**जागरूकताः**– महिलाओं के बीच रेलवे के प्रति जागरूकता पैदा करना व रेलवे के प्रति आर्कषण पैदा करना ताकि रेलवे के साथ जुड़ें। •**रेलवे विश्वविद्यालयः–** रेलवे विश्वविद्यालय में महिलाओ को अधिक से अधिक जोड़ा जाय व अध्ययन के उपरांत रेलवे में सेवा दिया जाय। •महिलाओं का विकास और सशक्तिकरण वर्तमान केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। सरकार द्वारा प्रचालित योजनाओं से न सिर्फ सशक्तिकरण हुआ हैं बल्कि उनके प्रति सम्मान मे भी वृद्वि हुई है। समाज की सोच भी बदली है और महिलाओ पर भरोसा भी बढ़ा है।	**प्रमुपरिप्र**

1.0	**"महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.5	• कार्यस्थल पर महिला कर्मियों के सामान्य गतिविधियों में सुरक्षा और संरक्षा का वातावरण तैयार करना। • भेद की दृष्टि से महिला कर्मचारियों के कार्यो का चयन और प्रतिपादन में विभेद का दृष्टिकोण न अपनाया जाय। • प्रतिभा और क्षमता पर पूर्ण विश्वास प्रकट करना। • पुरूष सहकर्मियों द्वारा कामकाज के दौरान संयमित और मार्यादित भाषा का प्रयोग। • महिला कर्मचारियों के खान पान एवं व्यक्तिगत व्यवहार पर कोई अनावश्यक टिप्पणी न हो। • उनके दैनिक कार्यो के निष्पादन और क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करना।	**प्रमुइं**

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.6	• अधिक संख्या में महिला कर्मियों की नियुक्ति के संबंध में नीति बने। • प्रत्येक कार्यालय में एक या दो कार्य –यूनिट पूरी तरह महिला कर्मचारियों को सौंप दिया जाए। • प्रत्येक मंडल का दो बुकिंग कार्यालय और एक आरक्षण कार्यालय महिला कर्मचारियों द्वारा संचालन हेतु नामित कर दिया जाए।	**प्रमुवाप्र**

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.7	• **छोटे–छोटे महिला समूह बनाकर :–**सभी विभागों/यूनिटों/कारखानों में छोटे–छोटे समूह/यूनिट बनाकर महिलाओं को कार्य में लगाकर योगदान बढाया जा सकता है। • **कार्यस्थल से कम दूरी पर पदस्थापना :–** महिलाओं को यथासंभव निजी/रेल आवास के नजदीक जो कार्यस्थल हो, पदस्थापित किया जा सकता है, ताकि वे कार्यालय के कार्य संपन्न करने के साथ–साथ अपने बच्चे की देखभाल कर सकें। • **बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था :–** कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए Refreshment Room/Common Room इत्यादि की व्यवस्था होनी चाहिए।	**प्रमुयांई**

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.7	• **सरल कार्यों/भयमुक्त एवं तनावमुक्त अनुकूल माहौल बनाकर :–** महिलाओं के संवेदनशीलता को देखते हुए उनके तनावमुक्त कार्यों का बांटबारा साथ ही कार्यस्थल पर भयमुक्त अनुकूल माहौल बनाकर योगदान बढाया जा सकता है। • **प्रोत्साहन** :– समय–समय पर प्रोत्साहन की उचित व्यवस्था किया जाना चाहिए। • **कार्य स्थल पर सहकर्मी का सकारात्मक सहयोग**:– महिलाओं का उनके कार्य स्थल पर सहकर्मी के द्वारा उचित/सकारात्मक मार्ग दर्शन दिया जाना चाहिए, जिससे कि दिए गए आवंटित कार्य का निष्पादन तनावमुक्त रहकर कर सकें।	प्रमुयांई

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे. "**	
1.8	• मेडिकल कार्यालय में कॉमन रुम की व्यवस्था होनी चाहिए। • महीना में दो दिन विषेश अवकाश देना चाहिए जिस प्रकार बिहार सरकार के महिला कर्मचारियों को दिया जाता है। • ड्रेस कोड अनिवार्य रुप से रखा जाए । • महिलाओं का यथासंभव उनके निजी आवास के निकटतम दूरी पर पदस्थापना की व्यवस्था किया जाना चाहिए। • महिलाओं के लिए स्पेशल भर्ती निकालना चाहिए। • महिलाओं का रेलवे वर्किंग में योगदान बढाने हेतु कार्यस्थल पर बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था किया जाना चाहिए।	**प्रमुचिनि**

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.9	• भारतीय रेल के महिला कर्मी की हर जरूरत की सुविधा प्रदान करनी चाहिए। • उनके लिए एक साफ–सुथरा माहौल बने ताकि स्वास्थ्य संबंधी परेशानी न हो, जिससे वो कार्य के प्रति प्रगतिशील रहे। • शिकायत निवारण के लिए महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की स्थापना होनी चाहिए। • गैर सरकारी संस्थानों की तरह BABY DAY CARE की स्थापना होनी चाहिए,ताकि उनके बच्चों की देखभाल हो सके। • महिला दिवस जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सम्मानित कर उन्हें गौरवान्वित किया जाना चाहिए।	प्रविस

1.0	**एजेण्डा (1)–" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.10	• महिलाओं के रेलवे में योगदान में उन्नति एवं बढ़ोत्तरी हेतु सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है, भयमुक्त एवं तनावमुक्त परिवेश का गठन किया जाना । • रेलवे में महिलाओं की संख्या बढ़ाई जाय, जिससे कि इनके मनोबल एवं कार्यदक्षता स्वतः बढ़े । • इन्हें कार्यस्थल के नजदीक रेल आवास की उचित व्यवस्था की जाय तथा रेसुब महिला बल कर्मियों के लिए कार्यस्थल के नजदीक सुसज्जित अलग बैरक की व्यवस्था की जानी चाहिए । • कार्यालयों के साथ महिला स्टाफ एवं रेसुब महिला स्टाफ को बीट ड्यूटी/कार्यालय ड्यूटी में अकेले तैनाती न किये जाने पर ध्यान रखा जाय ।	**प्रमुसुआ**

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.10	• इन्हें समय–समय पर प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन की उचित व्यवस्था किया जाय । • कार्यस्थल पर महिला स्टाफ के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था एवं प्रसाधन की सुविधा उपलब्ध कराया जाना चाहिए । • कार्यस्थल पर महिला स्टाफ के लिए अलग से मध्यांतर भोजन एवं नाश्ता हेतु अलग रूम की व्यवस्था किया जाना चाहिए ।	प्रमुसुआ

1.0	" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."	
1.11	•महिलाओं का सदुपयोग ट्रेन एवं प्लेटफार्मों पर टिकट चेकिंग में किया जाए जिससे बिना टिकट महिला यात्री पर रोक लगेगी। •इसके अलावा कार्यालय के अन्य सभी विभागों में उपलब्ध कार्यों को कराकर उनके मनोबल को ऊँचा रखा जा सकता है। •बहु कौशलीय के तहत महिला कर्मचारियों के उत्साह बनाये रखने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजना का प्रावधान होना चाहिए। •महिलाएं खेल–कूद सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेकर अपने अनुभव को बढ़ा सकती है। इस तरह महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में बढ़ाया जा सकता है।	**प्रमुसाप्र**

1.0	**" महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढे."**	
1.12	• महिलाओं का यथासंभव उनके निजी आवास/रेलवे आवास से निकटतम दूरी पर पदास्थापना की व्यवस्था किया जाना चाहिए जिससे कि कार्य स्थल पर आने – जाने में उन्हें सुविधा हो । • महिलाओं को उनके कार्य स्थल पर सहकर्मी एवं वरिष्ठ द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए, जिससे कि दिए गए आवंटित कार्य का निश्चित समय पर निष्पादन किया जा सके। • कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था होना चाहिए।	**मुसंधि**

चर्चा का विषय

"महिलाओं का योगदान रेलवे वर्किंग में कैसे बढ़े"

धन्यवाद

पिछले प्रेम बैठक (दिनांक 28.12.2017) के कुछ महत्त्वपूर्ण मद

क्र.सं.	मद
1.	सफाई हेतु कॉलोनियो में एक बोर्ड प्रदर्शित की जानी चाहिए कि कितने कर्मचारी उपस्थित हैं तथा उन्हें कौन–कौन से कार्य करने हैं।
2.	आउटसोर्सिंग स्टाफ की समुचित संख्या सुनिश्चित की जाय।
3.	स्वच्छता बनाये रखने से संबंधित मानक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाय।
4.	रेल परिसर में उगे खर पतवारों को मशीन से कटवाया जाय ।
5.	कॉलोनी में पड़े गंदगी के अंबारों को तुरंत हटया जाय।
6.	पुराने नालियों की संरचना बदला जाय तथा इसे ढ़क कर रखा जाय एवं इसकी सतत् सफाई कराई जाय।
7.	कूड़ा का निपटान इस प्रकार किया जाना सुनिश्चित किया जाय कि यह जीरो वैल्यू से प्लस वैल्यू में आ जाय।
8.	कॉलोनी केयर कमिटि को जागृत किया जाय।
9.	कॉलोनी को मॉडल कॉलोनी के रूप में विकसित किया जाये जिसमें कॉलोनी वासियों का भी योगदान हो,एवं जिसके स्वामित्व पर उन्हें गर्व हो।